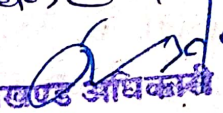


वाढपत्र का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार से है वादीगण की शर्तों से  
 वाढपत्र अन्तर्गत धारा 53 शजरचान कानूनकारी अधिनियम के तहत  
 पेश कर मौज तिलोत्के खला संख्या 321 में वर्णित आबकारी  
 नम्बर 288, 533, 542 किरा 8 कुल रकम 0.8200 है शर्तों  
 विरुद्ध है जो वादीगण एवं प्रविवादीगण की संयुक्त खसदेवारी  
 स्वामित्व कब्जे का है तथा वादीगण अपना विरस्ता की  
 भूमि को विभाजन से अलग कर अलग खसदेवारी में रूपा  
 करता चाहते हैं इसलिए वादीगण का वाढपत्र वाद जांच की  
 रजिस्ट्रार कर प्रविवादीगण को सम्मन नौसित जारी किया  
 गया। प्रविवादीगण बावजूद सूत्रता के उपस्थित नहीं  
 केने वे इसके निकट एक पक्षीय कार्यवाही का आदेश  
 पारित किया गया। तथा पत्रावली को साक्ष्य एक पक्षीय  
 में नियत की गई। साक्ष्य वादीगण में वादी हीरालाल  
 एवं गवाह नरहरमल के शपथ पत्र अन्तर्गत आदेश  
 18 नियम 4 का के का पेश हुआ जिस पर वादी  
 का एवं गवाह के बयान कराये गये। पत्रावली में  
 एक पक्षीय कार्यवाही केने वे उनकी बात काममें नहीं की गई।  
 वादीगण का वाढपत्र धारा 53 धारा 71 ए को  
 स्वीकार किया जाता है तथा वाढपत्र को प्राथमिक  
 डिमी किया जाता है डिमी पक्षीय कार्यवाही पर अन्तर्गत  
 हुक्मनामा आदेश जारी वे। पत्रावली विभाजन  
 प्रस्ताव के इंतजार में है।

उपखण्ड अधिकारी  
 डूंगला

806/25 पत्रावली में तहसीलदार डूंगला से विभाजन प्रस्ताव  
 प्राप्त नहीं केने से तहसीलदार डूंगला से विभाजन  
 प्रस्ताव प्राप्त कजे है पत्रावली को तहसीलदार डूंगला  
 से विभाजन प्रस्ताव पण्डित दिन दयाल उपाध्याय  
 परवाडा के रहत आयोजित शिविर दिनांक 20/6/25  
 को शाम 5 बजे तक मुख्यालय क्लॉक पर पेश  
 है। पत्रावली में वर्णित पक्षकारान को बुलाया  
 जाने पर पक्षकारान ने शिविर क्लॉक पर उपस्थित  
 होकर अलग कशया गया कि वाढ उदरण मे कोई  
 कार्यवाही नहीं करते है तथा प्राचीन पत्र भी  
 प्रस्तुत कर अलग कराया गया कि



| तारीख<br>हुकम | हुकम या कार्यवाही मय इनिथिल्स जज  | नम्बर व<br>अहकाम<br>हुकम की तारीख<br>जारी        |
|---------------|---|--|
|               | <p>वादपत्र में वंशित भाराजियात को वादीगण द्वारा<br/> भहित लाल को विक्रय कर दी गई है वादीगण<br/> का मोड़ खिरता नहीं देने से वादपत्र में वंशित<br/> भाराजियात का विभाग नहीं दे सका है प्रभु<br/> इस प्राथमिक एवं पत्रावली का श्रवलीक<br/> किया गया। बाद जॉय श्रवलीक पत्रावली वादीगण<br/> का वादपत्र धारा 53 सार्वभौम में कार्यवाही<br/> उसी स्वर पर शपथी जारी है पत्रावली<br/> प्रकार शुभत वेकट नखल लेकभे</p> <p style="text-align: center;"> <br/> उपखण्ड अधिकारी<br/> दंगला<br/> जिला-चित्तौड़गढ़ </p> | <p>1.</p> <p>2.</p> <p>2.</p> <p>3.</p> <p>2</p> |